पायो जी मैंने राम रतन धन पायो | By Devi Neha Saraswat

पायो जी मैंने राम रतन धन पायो
वस्तु अमोलक दी मेरे सतगुरु
किरपा कर अपनायो
पायो जी मैंने .....

जनम जनम की पूँजी पाई
जग में सब ही गँवायो
पायो जी मैंने राम रतन धन पायो

खर्चे नहीं कोई चोर ना लूटे
दिन दिन बढ़त सवायो
पायो जी मैंने राम रतन धन पायो

सत की नाव खिवतिया सतगुरु
भवसागर तरवायो
पायो जी मैंने राम रतन धन पायो

मीरा के प्रभु गिरधार नागर
हरष हरष जस गायो
पायो जी मैंने राम रतन धन पायो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a5%8b-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b0%e0%a4%a4%e0%a4%a8-%e0%a4%a7%e0%a4%a8-%e0%a4%aa%e0%a4%be/